Saraswati Aarti

माँ सरस्वतीकी आरती (जय सरस्वती माता)

NityaPaath
nityapaath.com/saraswati-aarti/

REFRAIN · टेक

टेa जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता।
सद्गुण, वैभवशालिनि, त्रिभुवन विख्याता॥ जय०॥

VERSES · आरती

1 चन्द्रवदनि, पद्मासिनि द्युति मंगलकारी।
सोहे हंस-सवारी, अतुल तेजधारी॥ जय०॥

2 बायें कर में वीणा, दूजे कर माला।
शीश मुकुट-मणि सोहे, गले मोतियन माला॥ जय०॥

3 देव शरण में आये, उनका उद्धार किया।
पैठि मंथरा दासी, असुर-संहार किया॥ जय०॥

4 वेद-ज्ञान-प्रदायिनि, बुद्धि-प्रकाश करो।
मोहाज्ञान तिमिर का सत्वर नाश करो॥ जय०॥

5 धूप-दीप-फल-मेवा पूजा स्वीकार करो।
ज्ञान-चक्षु दे माता, सब गुण-ज्ञान भरो॥ जय०॥

6 माँ सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावे।
हितकारी, सुखकारी ज्ञान-भक्ति पावे॥ जय०॥

Text checked against: Gita Press, Gorakhpur: Sachitra Aarti Sangrah (code 1344), 'माँ सरस्वतीकी आरती'. Meanings, audio and all scripts at nityapaath.com/saraswati-aarti/